(5.3) ALEXANDER VON HUMBOLDT (5.3)

- Birth at (Germany) (जर्मनी) in 1769
- Life span (जीवन-काल) 90 Yrs.
- Death 1859

परिचय:

- जर्मनी के स्थित प्रशा के राजकीय घराना का उगता सूर्य - एलेक्जेन्डर वोन हम्बोल्ट थे जिन्होंने विश्व को अपने सर्वव्यापी विज्ञान (Universal Science) और भूगोल (Geography) से प्रकाशित किया। हम्बोल्ट —
- एक तीक्ष्ण, विलक्षण एवं बहुआयामी निरीक्षणकर्ता एवं प्रयोगकर्ता थे।
- एक ऐसा प्रतिभा सम्पन्न व्यक्तित्व थे, जिन्होंने 'Cosmography' और 'Perma-frost' शब्दों को जन्म दिया।
- 19 वीं शताब्दी के बहुमुखी प्रतिभाशाली जर्मन विद्वान थे।
- एक महान शोधकर्ता, जिन्होंने अनेक विषयों में योगदान दिया और खासकर भूगोल के विकास बहुआयामी विषय की आधारशिला तैयार किया।
- आधुनिक भूगोल, जलवायु विज्ञान और वनस्पति भूगोल (Modern Geography, climatology & Plant/Phyto Geography) के संस्थापक थे।
- "Man everywhere becomes most essentially associated with terrestrial life." जैसी संकल्पना के अग्रदूत थे।
- 'Societe Geographie' के संस्थापक (पेरिस में) थे।
- साहसी, बहादुर एवं उत्साही भ्रमणकर्ता और कार्यकर्ता थे।
- एक महान विचारक के साथ-साथ महान अन्वेषक भी थे।
- 'the last & unsurpassed master of Universal Science' थे।

Life Style: (जीवन शैली)

- राजकीय परिवार में जन्म होने के कारण उनका बचपन काफी खुशहाल रहा।
- 18 वर्ष की उम्र तक Private School में अध्ययन किया।

Educational life →

उनकी उच्च शिक्षा 4 विश्वविद्यालयों में हुई। उनके विश्वविद्यालय एवं अध्ययन के विषय निम्न प्रकार है →

Humboldt's Higher Education at

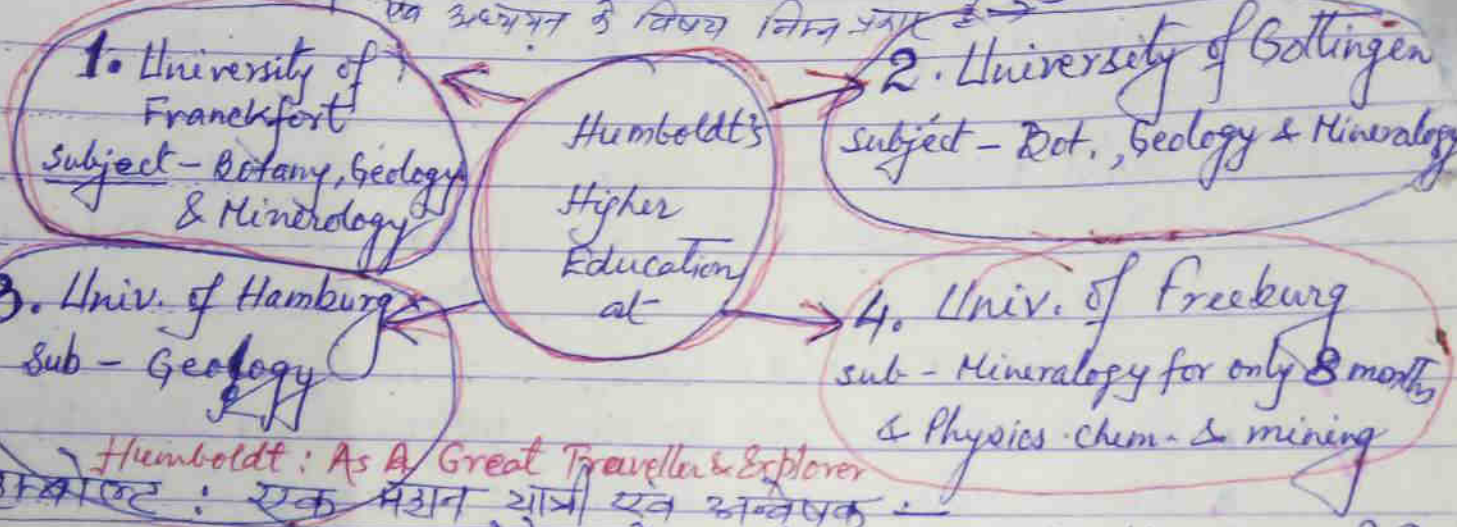

1. University of Franckfort
   Subject – Botany, Geology & Minerology
2. University of Gottingen
   Subject – Bot., Geology & Mineralogy
3. Univ. of Hamburg
   Sub – Geology
4. Univ. of Freeburg
   sub – Mineralogy for only 8 months & Physics · chem · & mining

Humboldt : As A Great Traveller & Explorer

हम्बोल्ट : एक महान यात्री एव अन्वेषक :-

- 1789 ई० तक उन्होंने इंगलैण्ड, हालैण्ड, बेल्जियम और फ्रांस की यात्रा की थी।
- 1792 ई० में वे प्रशा मे Mining Deptt. के Director पद पर नियुक्त हुए।
- 1793 ई० मे उन्होंने अपना सर्वप्रथम लेख – 'The effect of different rocks on magnetic declination' प्रकाशित किया साथ ही साथ 'Petrology of Alps region' मे काफी रुचि लेने लगे।
- 1797 ई० में अपनी माता के देहान्त के उपरान्त उन्होंने 'Director of Mines' के पद से त्यागपत्र देकर विश्व के विभिन्न देशों के भ्रमण की योजना तैयार की। पेरिस में उनकी मुलाकात वे Prof. Amie Bonpland से काफी प्रभावित हुए और एक साथ भ्रमण करने की योजना बनाई। पेरिस में ही Sextant, Barometer, Aneroid barometer Telescope, Quadrant, Chronometer आदि जैसे 40 यंत्रों को उपयोग करना सीख लिया और अपनी सम्पूर्ण यात्रा में इन सभी यंत्रों का उपयोग भी किया।

Amie Bonpland के साथ ही वे फ्रांस से स्पेन गए। मैड्रिड से वे मसेटा का निरीक्षण किया। शाही अनुमति प्राप्त कर 4 जून, 1797 को ~~ही मैं ही उन्होंने~~ द० अमेरिका के अरी समुद्र तटीय भाग की यात्रा प्रारम्भ की। ओरिनिको नदी का बेसिन, लैनोस मैदान आदि क्षेत्रों की यात्रा की

(3)

विभिन्न स्थानों का अक्षांश एवं देशान्तर निर्धारित किया। पुनः वहाँ से लौटकर चिम्बोरेज़ो पर विजय प्राप्त किया। एक बहादुर सिपाही की तरह दुःसाहस पूर्ण अनेक यात्राएँ सम्पन्न की। फिर वे (पेरु की राजधानी) लीमा पहुँचे जहाँ पेरु नामक ठंडी जलधारा को पहली बार देखा। इन्हीं के नाम पर पेरु जलधारा को हम्बोल्ट जलधारा भी कहा जाता है। इसके बाद वे मध्य अमेरिका की ओर लौट पड़े जहाँ उन्होंने क्यूबा, निकारागुआ, पनामा, मेक्सिको एवं अन्य देशों का भ्रमण किया। इन्होंने पनामा नहर बनाने की संकल्पना भी दी।

1804 ई० में वे तत्कालीन अमेरिकन राष्ट्रपति जेफरसन से भेंट की और फ्रांस लौट गए। और लगभग 22 वर्षों तक फ्रांस में रहकर अनेक लेख लिखा, 'नई दुनियाँ का अपना अनुभव' प्रकाशित कराया एवं 'Societe Geographie' की स्थापना की।

1827 – लगभग 30 वर्षों तक बाहर रहकर फिर वे 1827 में जर्मनी लौटे और वहाँ उनकी नियुक्ति राजा के सलाहकार के रूप में हुई। यहाँ उनका सम्पर्क रिटर से हुआ और इन दोनों विद्वानों के सौजन्य से भौगोलिक चिन्तन एवं दर्शन का पर्याप्त विकास हुआ।

1829 – हम्बोल्ट की उम्र 60 वर्ष की हो चुकी थी। इसी समय उन्हें रूसी सरकार के निमंत्रण पर प० साइबेरिया एवं अल्टाई पर्वतीय प्रदेश में खनिज सम्पदा की खोज पर जाना पड़ा। वहाँ उन्होंने यूराल पर्वत, टोबलस्क, तारा, काजान, बोगोस्लोस्की, बर्क, ओमस्क होते हुए मंगोलिया की सीमा तक यात्रा की। लौटते समय उन्होंने अस्त्राखां, ओरेनबर्ग की यात्रा की। एशिया की चट्टानों की संरचना एवं खनिज संसाधनों की उपलब्धि पर 'Asia Centrale' नामक पुस्तक की रचना दो खण्डों में किया। वहाँ से जर्मनी लौटकर पुनः अपना कार्यभार सम्हाला।

1859 – 1859 में हम्बोल्ट की मृत्यु हो गई।

~~Personality~~

Personality Development

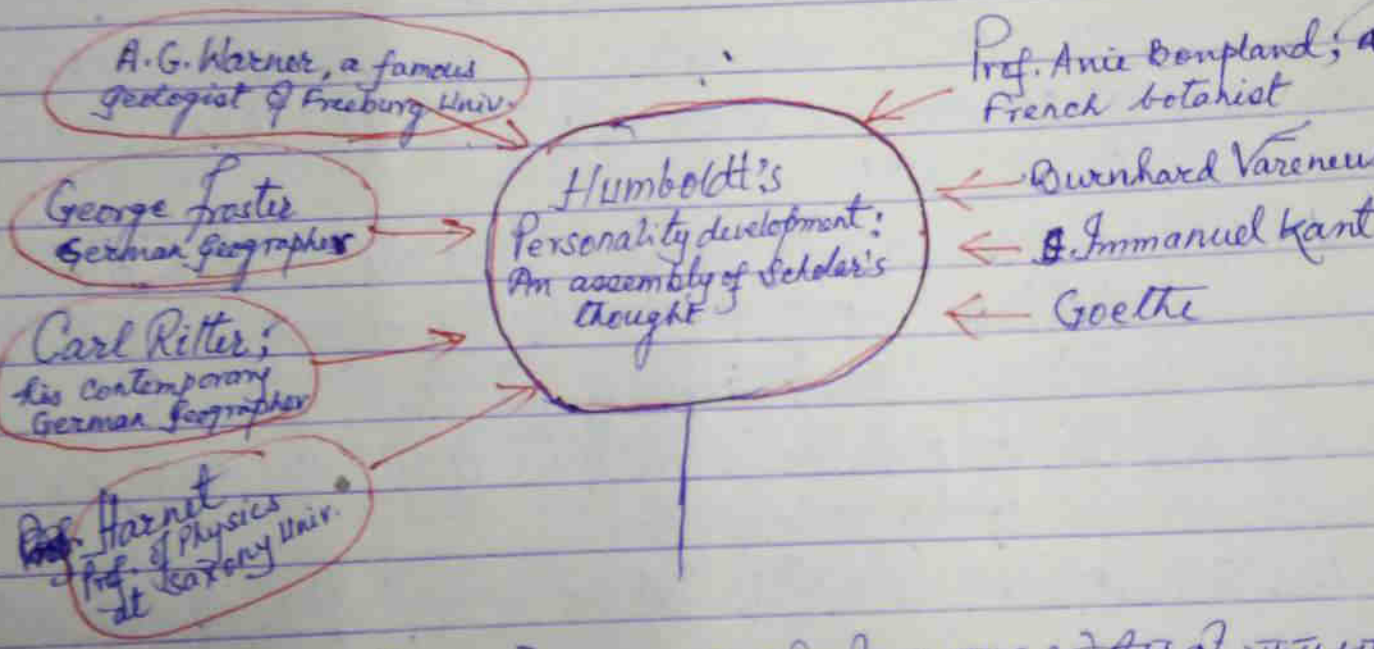

विश्वविद्यालय की शिक्षा-प्राप्ति के दौरान हम्बोल्ट का व्यक्तित्व विकास विभिन्न विद्वानों के विचारों का समन्वय के रूप में हुआ। उच्च शिक्षा प्राप्ति के दौरान हम्बोल्ट महोदय भिन्न-भिन्न विद्वानों के सम्पर्क में आए और उनके विचारों से प्रभावित होकर अपने व्यक्तित्व में नई दिशा प्रदान की। हम्बोल्ट महोदय जिन विद्वानों से प्रभावित हुए वे निम्नांकित हैं-

हम्बोल्ट महोदय जब दक्षिणी एवं मध्य अमेरिका की यात्रा सम्पन्न करके 1804 ई० में पेरिस लौटे तो पेरिस में रहकर ही अपनी यात्रा विवरणी लिखना प्रारम्भ कर दिया। इस दौरान भी वे अनेक फ्रेंच विद्वानों के सम्पर्क में आए और उनके विचार एवं व्यक्तित्व से प्रभावित हुए। फलस्वरूप हम्बोल्ट महोदय के व्यक्तित्व में परिपक्वता आ गई।

हम्बोल्ट का व्यक्तित्व विकास: विभिन्न विद्वानों के विचारों एवं व्यक्तित्व का समन्वय

- Lusak (लुसाक)
- Laplace (लाप्लास)
- Lemark (लेमार्क)
- Argo (अर्गो)
- Cuviwar (कुविवर)
- Alphonse de Candolle (अल्फोन्से डी कन्डोले)

Methodological Contribution — (5)

Methodology (विधि तंत्र) —

हम्बोल्ट द्वारा भूगोल के अध्ययन विधि के तहत मुख्य रूप से बारीकी के साथ निरीक्षण करना, उसका क्रमबद्ध एवं तुलनात्मक ढंग से विवरण प्रस्तुत करना था। क्षेत्र भ्रमण के दौरान वे अपने साथ 40 विभिन्न यंत्रों को इसलिए अपने साथ रखते थे ताकि क्षेत्र के विभिन्न विशेषताओं का अध्ययन तुलनात्मक आधार पर किया जा सके। यंत्रों से प्राप्त परिणामों को वे Maps एवं Diagrams के माध्यम से प्रदर्शित करते थे। हम्बोल्ट द्वारा अपनाए गए विधितंत्र निम्न ढंग से दर्शाया जा सकता है।

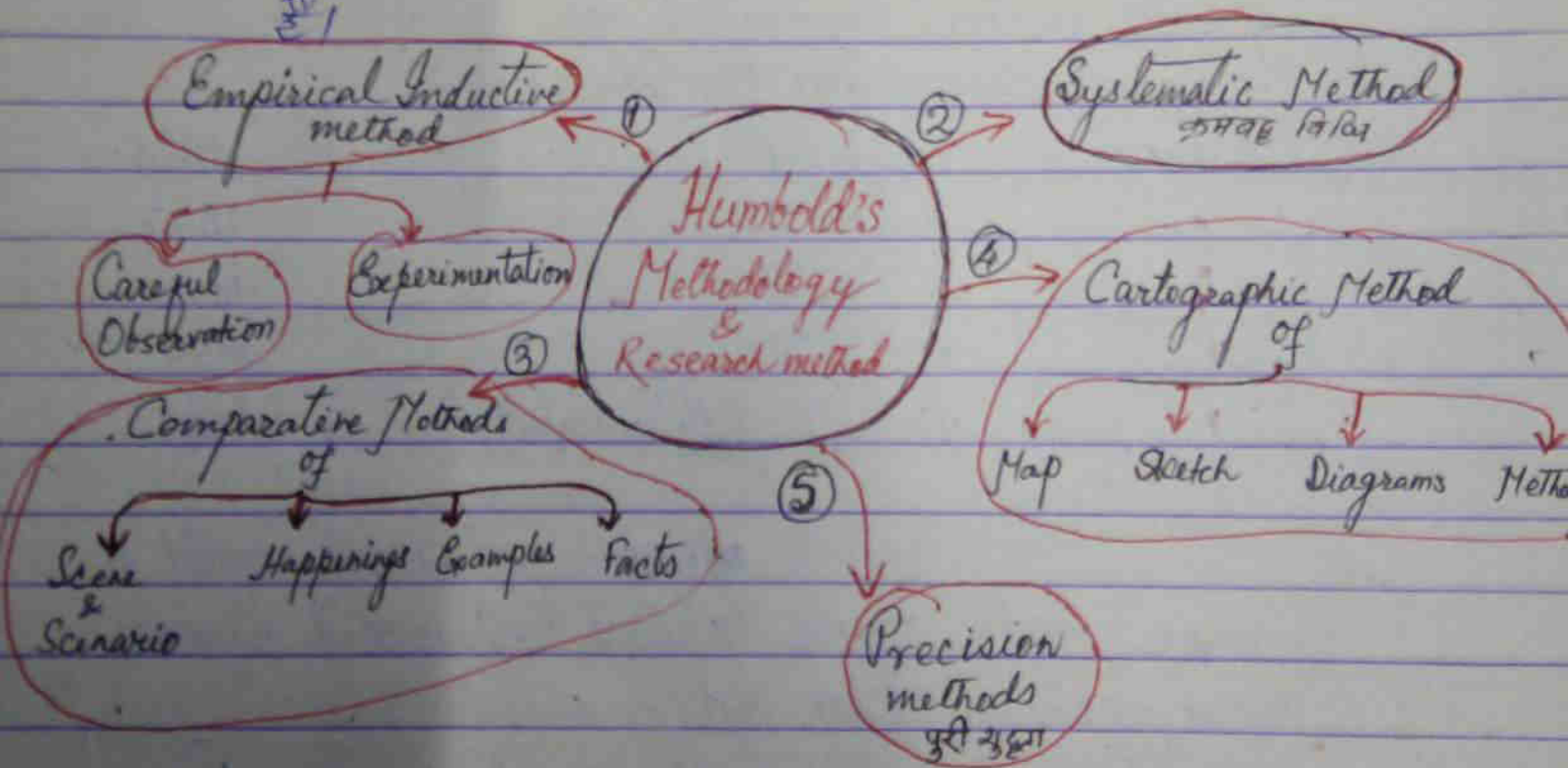

• Documentary Contribution →

हम्बोल्ट महोदय अपने क्षेत्र भ्रम[ण], निरीक्षण, प्रयोग आदि के आधार पर अनेक लेखों एवं पुस्तकों की रचना की जो निम्नलिखित है ——

1. Origin of Rhineland Basalt – 1789
2. The effect of different rocks on magnetic declination. – 1793
3. A brief description of loa Rhine region – 1793
4. Empirical description on the travels of equatorial region of new world. 1815-20
5. Different aspects of Spanish colonies in new world – 1822
6. Specific condition of rocks of both hemispheres – 1823
7. Asia Cau Centrale – Vol. I } 1829
   " – Vol-II
8. Original Races of South America – their special custom, handcrafts etc
9. Regional description of Cuba & Mexico
10. Cosmos – Vol – I – 1845
    " " – II 1847
    " " – III 1850
    " " – IV 1859
    " " – V (After death) 1862

हम्बोल्ट के उपरोक्त सभी रचनाओं में 'Cosmos' नामक पुस्तक सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है जिसका प्रधान उद्देश्य था —

"To develop a Universal science".

अर्थात वे एक सर्वव्यापी एवं शाश्वत विज्ञान का विकास करना चाहते थे जिसे स्वरूप देने के क्रम उन्होंने चार अन्य उद्देश्यों को निर्धारित किया —

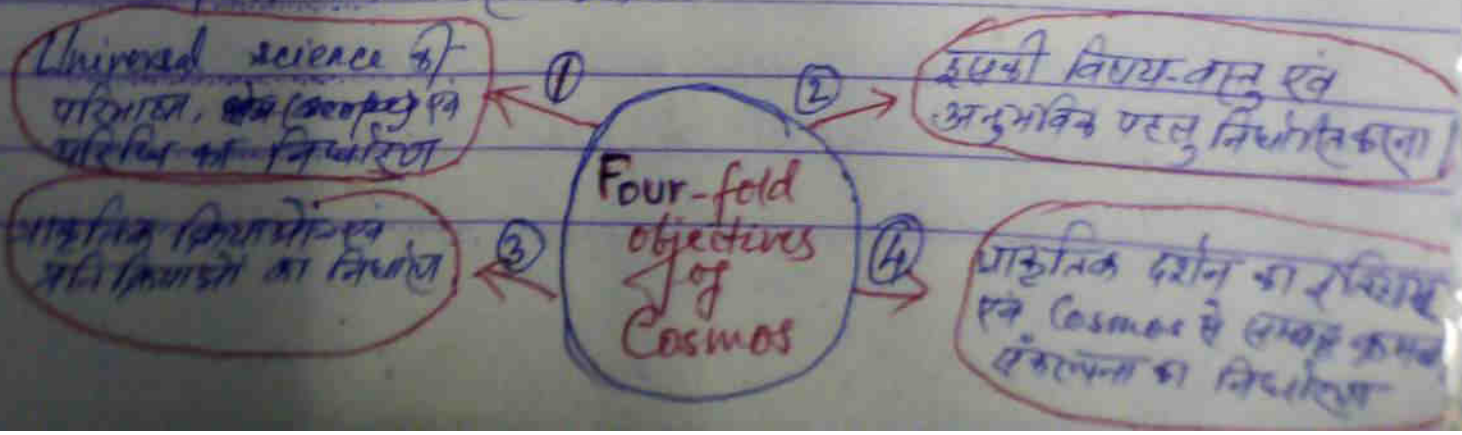

~~Cosmos~~ के उपरोक्त ~~उद्देश्यों~~ उद्देश्यों को उन्होंने Cosmos के सभी पाँचों खण्डों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया है —

Cosmos - volume — 5

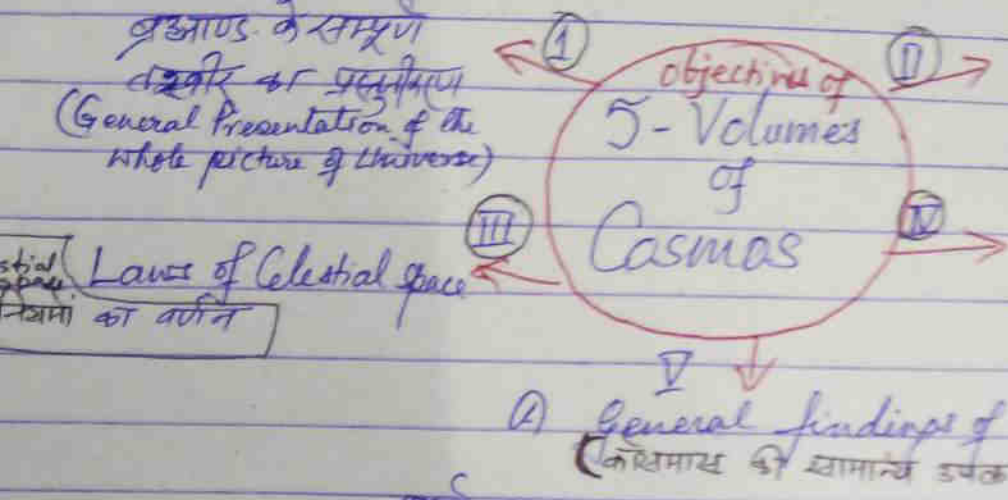

इस प्रकार सम्पूर्ण Cosmos को उन्होंने दो भागों में विभक्त किया।

- **Uranography** — इसके अन्तर्गत आकाशीय पिंडों, उनकी विशेषताओं एवं क्रियाओं का विवरण प्रस्तुत किया गया है जिसे Astronomy भी कहा जाता है)
- **Geography** — इसके अन्तर्गत भौतिक भूगोल अर्थात भूतल का सजीव (सचित्र) विवरण प्रस्तुत किया गया है)

Inventional & Discovery Contribution —

- वेनेजुएला में ओरिनिको नदी के निकटवर्ती प्रदेशों में भ्रमण के दौरान उन्होंने वनस्पति और वर्षा के बीच आपसी सम्बन्ध का पता लगाया और पाया कि — More forest more rainfall & less forest less rainfall.
- वेनेजुएला में ही ओरिनिको नदी के पास समुद्री तट के सहारे 'वेलेन्सिया झील' का पता लगाया और पाया कि 'कृषि भूमि के विस्तार के कारण वेलेन्सिया झील सिकुड़ (Shrunked) गया है। उन्होंने Deforestation (वन कटाव) को shrinking (सिकुड़न) का उत्तरदायी कारण माना।
- हम्बोल्ट ने अमेजन और ओरिनिको नदी का सम्बन्ध का भी पता लगाया।